



## संसद में प्रश्न पूछना

**सन्दर्भ:** हाल ही के केश-फॉर-क्वेरी विवाद ने संसद में प्रश्न पूछने संबंधित विषय को सुर्खियों में ला दिया है।

### प्रश्न पूछने की प्रक्रिया

- यह प्रक्रिया लोकसभा के नियमों और निर्देशों के नियम 32-54 और निर्देश 10-18 द्वारा शासित होती है।
- इसमें सांसद आवश्यकतानुसार विशिष्ट विवरण के साथ महासचिव को प्रश्न नोटिस प्रस्तुत करते हैं।
- सांसदों को मौखिक और लिखित उत्तर के लिए अधिकतम पांच नोटिस जमा करने की अनुमति है।
- पांच से अधिक किसी भी अतिरिक्त नोटिस पर उसी सत्र में अगले दिनों के लिए विचार किया जाता है।
- आमतौर पर, किसी प्रश्न के लिए कम से कम 15 दिन की नोटिस अवाधि की आवश्यकता होती है।
- नोटिस जमा करने की दो विधियाँ हैं: ऑनलाइन "सदस्य पोर्टल" या संसदीय सूचना कार्यालय में मुद्रित प्रपत्र के माध्यम से।
- अध्यक्ष प्रस्तुत प्रश्न सूचनाओं की जांच और स्वीकार्यता निर्धारित करता है।

### स्वीकार्यता की शर्तें

- किसी प्रश्न की स्वीकार्यता सुनिश्चित करने के लिए, सख्त नियम लागू होते हैं, जैसे 150 शब्दों की सीमा और कोई तर्क या मानहानिकारक बयान नहीं होने चाहिए।
- प्रश्न व्यक्तिगत चरित्र से संबंधित नहीं हो सकते, व्यापक नीतिगत मुद्दे नहीं उठा सकते, या कानूनी समीक्षा के तहत मामलों से संबंधित नहीं हो सकते।
- स्वीकार्यता में अदालतों, न्यायाधिकरणों, या संसदीय समितियों के समक्ष और राष्ट्रीय एकता को खतरा पहुंचाने वाले विषयों को भी शामिल नहीं किया जाता है।
- ये नियम संसदीय कार्यवाही की दक्षता और मर्यादा बनाए रखने के लिए बनाए गए हैं।

### प्रश्नों के प्रकार

- लोकसभा में चार प्रकार के प्रश्न होते हैं: तारांकित, अतारांकित, अल्पसूचित और निजी सदस्य प्रश्न।
- तारांकित प्रश्न सांसदों द्वारा मौखिक रूप से पूछे जाते हैं और प्रभारी मंत्री द्वारा 15 दिन के नोटिस के साथ लिखित उत्तर दिए जाते हैं। पूरक प्रश्नों के अक्सर के तहत मौखिक उत्तर के लिए प्रति दिन केवल 20 प्रश्न सूचीबद्ध किए जा सकते हैं।
- अतारांकित प्रश्नों को मंत्रालय से लिखित उत्तर प्राप्त होते हैं, इसके लिए 15 दिन के नोटिस की भी आवश्यकता होती है और अनुवर्ती प्रश्नों की अनुमति नहीं होती है।
- अल्प सूचना प्रश्न अत्यावश्यक सार्वजनिक मामलों से संबंधित होते हैं और 10 दिन से कम समय के नोटिस पर पूछे जा सकते हैं, जिनका उत्तर मौखिक रूप से पूरक प्रश्नों के साथ दिया जाता है।
- निजी सदस्यों से प्रश्न सदन में उनकी जिम्मेदारी से संबंधित मुद्दों के लिए होते हैं, जिसमें मंत्री के प्रश्नों के समान प्रक्रियाओं का पालन किया जाता है।

## परमाणु ब्रीफकेस

**सन्दर्भ:** चीन की यात्रा के दौरान, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को उन अधिकारियों के साथ देखा गया जिनके पास "परमाणु ब्रीफकेस" था।

- "परमाणु ब्रीफकेस", जिसे 'चेगेट' के नाम से भी जाना जाता है, का नाम एक रूसी पर्वत के नाम पर रखा गया है।
- यह परमाणु हमलों को अधिकृत करने, सुरक्षित संचार सुनिश्चित करने की प्रणाली का एक घटक है।
- ये ब्रीफकेस देश के रॉकेट बलों को परमाणु हमले का आदेश देता है।
- इसका संचार 'काजबेक (Kazbek)' इलेक्ट्रॉनिक कमांड-एंड-कंट्रोल नेटवर्क के माध्यम से होता है, जो 'काव्काज (Kavkaz)' का समर्थन करता है।
- रूसी राष्ट्रपति, रक्षा मंत्री और चीफ ऑफ जनरल स्टाफ प्रत्येक के पास समन्वय के लिए एक ब्रीफकेस होता है।
- राष्ट्रपति विदेशी दौरों के दौरान भी ब्रीफकेस साथ रखते हैं।

### परिचालन प्रक्रिया:

- इसमें लगे रडार ऑपरेटर दुश्मन की संभावित गतिविधियों के बारे में सूचना भेजते हैं।
- इसका इलेक्ट्रॉनिक कमांड-एंड-कंट्रोल नेटवर्क सक्रिय है।
- इसमें सूचना केबल, रेडियो सिमल, उपग्रह और रिले के एक जटिल नेटवर्क के माध्यम से पारित की जाती है।
- यह विशेष ब्रीफकेस वाले नामित व्यक्तियों द्वारा अलर्ट प्राप्त किए जाते हैं।
- सुरक्षित टर्मिनल इन व्यक्तियों के बीच संचार की सुविधा प्रदान करते हैं।
- ब्रीफकेस में आदेश को अधिकृत करने (आमतौर पर सफेद) और रद्द करने (आमतौर पर लाल) के लिए बटन होते हैं।

### क्या भारत के पास परमाणु ब्रीफकेस है?

- भारत परमाणु हथियारों के उपयोग को अधिकृत करने के लिए परमाणु ब्रीफकेस प्रणाली का उपयोग नहीं करता है।
- भारत में परमाणु कमान प्राधिकरण (एनसीए) की राजनीतिक परिषद द्वारा एक सामूहिक निर्णय लिया जाता है।
- राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) की अध्यक्षता में एनसीए कार्यकारी परिषद, राजनीतिक परिषद को इनपुट प्रदान करती है।
- प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राजनीतिक परिषद, आवश्यक होने पर परमाणु हमले को अधिकृत करती है।
- यह संरचना भारतीय परमाणु हथियारों पर नागरिक नियंत्रण सुनिश्चित करती है और आकस्मिक या अनधिकृत उपयोग को रोकने के लिए एक परिष्कृत कमांड-एंड-कंट्रोल प्रणाली लागू करती है।
- प्रधानमंत्री के साथ अक्सर विशेष सुरक्षा समूह के कर्मी एक काला ब्रीफकेस लेकर जाते हैं, जिसमें सुरक्षात्मक कवच, आवश्यक दस्तावेज और एक पिस्तौल सहित पिस्तौल दान (pistol holster) भी होता है।

## Face to Face Centres





## कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैव विविधता ढांचा (KMGBF)

**सन्दर्भ:** SBSTTA-25 की 25वीं बैठक विगत 19 अक्टूबर, 2023 को समाप्त हुई, जिसमें दिसंबर में अपनाए गए कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैव विविधता ढांचे को लागू करने के लिए सिफारिश की गई थी।

- वैज्ञानिक, तकनीकी और तकनीकी सलाह पर 25वीं सहायक निकाय (एसबीएसटीटीए-25) बैठक ने अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आगामी छह वर्षों में कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैव विविधता फ्रेमवर्क (केएमजीबीएफ) को लागू करने पर विचार कर रहा है।
- इसके प्रमुख एजेंडा मदों में प्रगति के लिए एक निगरानी तंत्र स्थापित करना और निम्नलिखित महत्वपूर्ण रिपोर्टों के निष्कर्षों पर चर्चा करना भी शामिल है:
  - जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं (आईपीबीईएस) आकलन पर अंतर सरकारी विज्ञान-नीति मंच द्वारा जारी रिपोर्ट।
  - जलवायु परिवर्तन पर अंतर सरकारी पैनल (आईपीसीसी) की छठी मूल्यांकन रिपोर्ट।
  - नवीनतम आईपीबीईएस रिपोर्ट में उल्लेखित, पौधों और जानवरों के विलुप्त होने में आक्रामक प्रजातियों की भूमिका पर तैयार आंकड़े।
  - आईपीबीईएस द्वारा प्रकृति के विविध मूल्यों और मूल्यांकन और जंगली प्रजातियों के सतत उपयोग पर जारी रिपोर्ट।
  - इसके अलावा आईपीसीसी एआर 6 के निष्कर्ष जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता हानि के बीच संबंध पर जोर भी देते हैं।
- SBSTTA-25 ने जैव विविधता के नुकसान, जलवायु परिवर्तन और संबंधित संकटों की परस्पर निर्भरता को पहचानते हुए, जैविक विविधता पर कन्वेंशन के पक्षों के सम्मेलन (COP 16) की 16वीं बैठक में प्रस्तुत करने के लिए 15 बिंदुओं को अंतिम रूप दिया है।
- इस बैठक में केएमजीबीएफ कार्यान्वयन में वैज्ञानिक और तकनीकी मार्गदर्शन के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन और खाद्य और कृषि संगठन जैसी अन्य बहुपक्षीय एजेंसियों को शामिल करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है।
- 2024 में COP16 में समझौते के लिए SBSTTA-25 की सिफारिशों पर विचार किया जाएगा और COP 17 में KMGBF प्रगति की वैश्विक समीक्षा की जाएगी।

### कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैव विविधता ढांचा

- कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैव विविधता ढांचा में 4 लक्ष्य और 23 उद्देश्य शामिल हैं, जिन्हें 2030 तक पूरा किया जाना है।
- संयुक्त राष्ट्र जैव विविधता सम्मेलन मॉन्ट्रियल, कनाडा में संपन्न हुआ।
- COP 15 का पहला संस्करण चीन के कुनमिंग में आयोजित किया गया था, जिसमें जैव विविधता संकट को संबोधित करने और 100 से अधिक देशों की भागीदारी के साथ कुनमिंग घोषणा को अपनाने की प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया था।

### प्रमुख वैश्विक जैव विविधता ढांचा लक्ष्य:

- 2030 तक विश्व स्तर पर (भूमि और समुद्र पर) 30% खराब पारिस्थितिकी तंत्र को बहाल करना।
- 2030 तक स्थलीय, अर्धदेशीय जल, तटीय और समुद्री सहित 30% क्षेत्रों का संरक्षण और प्रबंधन करना।
- ज्ञात प्रजातियों को विलुप्त होने को रोकना और वर्ष 2050 तक अज्ञात प्रजातियों सहित अन्य प्रजातियों के विलुप्त होने के जोखिम दर को दस गुना तक कम करना।
- वर्ष 2030 तक कीटनाशक संबंधी जोखिमों को न्यूनतम 50% तक कम करना।
- वर्ष 2030 तक पर्यावरण में पोषक तत्वों की हानि को कम से कम 50% तक कम करना।
- वर्ष 2030 तक सभी स्रोतों से प्रदूषण के जोखिमों और प्रभावों को उस स्तर तक कम करना जो जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचाते हों।
- वर्ष 2030 तक खपत के वैश्विक फुटप्रिंट को कम करना, जिसमें अत्यधिक खपत, अपशिष्ट उत्पादन को कम करना और भोजन की बर्बादी को आधा करना शामिल है।
- कृषि, जलीय कृषि, मत्स्य पालन और वानिकी में स्थायी प्रबंधन लागू करना और जैव विविधता-अनुकूल प्रथाओं को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा देना।
- प्रकृति-आधारित समाधानों के माध्यम से जलवायु परिवर्तन का समाधान खोजना।
- वर्ष 2030 तक आक्रामक विदेशी प्रजातियों के जोखिम दर कम से कम 50% कम करना।
- वर्ष 2030 तक जंगली प्रजातियों का सुरक्षित, कानूनी एवं सतत उपयोग सहित उनका व्यापार सुनिश्चित करना।
- शहरी क्षेत्रों में हरित स्थान बढ़ाना।


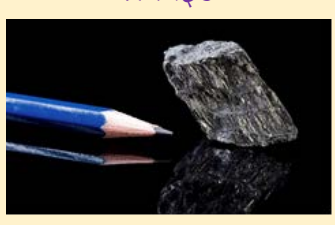
### जैव विविधता पर कन्वेंशन (सीबीडी):

- सीबीडी, जैव विविधता के संरक्षण के लिए एक कानूनी रूप से बाध्यकारी संधि है, जो 1993 से लागू है और 196 देशों द्वारा अनुमोदित है।
- सीबीडी देशों को जैव विविधता की रक्षा करने, सतत उपयोग सुनिश्चित करने सहित निष्पक्ष और न्यायसंगत लाभ साझाकरण को बढ़ावा देने के लिए दिशा निर्देश प्रदान करता है।
- इसका लक्ष्य जलवायु परिवर्तन पर वर्ष 2015 के पेरिस समझौते के समान, जैव विविधता के नुकसान को कम करने के लिए एक समझौता करना है।
- सीबीडी सचिवालय का मुख्यालय मॉन्ट्रियल, कनाडा में है।
- सीबीडी के तहत पार्टियां (देश) नियमित अंतराल पर पार्टियों की कॉन्फ्रेंस (सीओपी) नामक बैठकें बुलाती हैं।
- वर्ष 2000 में, आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी द्वारा उत्पन्न जोखिमों से जैव विविधता की रक्षा के लिए एक पूरक समझौते, जैव सुरक्षा पर कार्टाजेना प्रोटोकॉल को अपनाया गया था।
- नागोया प्रोटोकॉल, वर्ष 2010 में नागोया, जापान में COP 10 में अपनाया गया। यह अपने उद्देश्यों में आनुवंशिक संसाधनों, लाभों और आनुवंशिक संसाधनों से जुड़े पारंपरिक ज्ञान को शामिल करता है।
- COP-10 ने कार्वाई के लिए दस-वर्षीय रूपरेखा भी स्थापित की, जिसे "जैव विविधता के लिए रणनीतिक योजना 2011-2020" के रूप में जाना जाता है, जिसमें जैव विविधता के लिए 20 महत्वाकांक्षी आईसी लक्ष्य (Aichi Targets) शामिल हैं।
- वर्ष 2002 में, भारत ने सीबीडी प्रावधानों को लागू करने के लिए जैविक विविधता अधिनियम लागू किया गया था।





## NEWS IN BETWEEN THE LINES

<p><b>महरोली पुरातत्व पार्क</b></p> 	<p>दिल्ली के महरोली पुरातात्विक पार्क में ऐतिहासिक संरचनाओं को फिर से जीवंत करने के लिए एक जीर्णोद्धार परियोजना शुरू की गई है के बारे में:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>➤ महरोली पुरातत्व पार्क दक्षिण दिल्ली में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल कुतुब मीनार के निकट स्थित है।</li> <li>➤ इसमें दिल्ली का पुराना किला और लाल कोट शामिल है, जिसे 1060 ईस्वी में तोमर राजपूतों द्वारा बनाया गया था।</li> <li>➤ इसमें खिलजी वंश, तुगलक वंश, दिल्ली सल्तनत के लोधी वंश, मुगल साम्राज्य और ब्रिटिश राज सहित विभिन्न कालखंडों के वास्तुशिल्प अवशेष शामिल हैं।</li> <li>➤ कुछ उल्लेखनीय स्मारकों में बलबन का मकबरा (लगभग 1287 ई.), जमाली कमाली मस्जिद और मौलाना जमाली कमाली का मकबरा, कुली खान का मकबरा, राजों की बावली, माधी मस्जिद आदि शामिल हैं।</li> </ul>
<p><b>ग्रेफाइट</b></p> 	<p>चीन ने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए कुछ ग्रेफाइट उत्पादों के निर्यात के लिए परमिट व्यवस्था लागू की है।</p> <p><b>ग्रेफाइट क्या है?</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>➤ ग्रेफाइट कार्बन का एक अपररूप होता है।</li> <li>➤ इसमें कार्बन परमाणुओं की षटकोणीय संरचना होती है।</li> </ul> <p><b>ग्रेफाइट के गुण:</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>➤ इसकी संरचना में मुक्त इलेक्ट्रॉनों की उपस्थिति के कारण यह अपनी उत्कृष्ट विद्युत चालकता के लिए जाना जाता है।</li> <li>➤ यह रासायनिक रूप से निष्क्रिय है और अन्य पदार्थों के साथ आसानी से प्रतिक्रिया नहीं करता है।</li> </ul> <p><b>औद्योगिक अनुप्रयोग:</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>➤ ग्रेफाइट का उपयोग औद्योगिक अनुप्रयोगों में स्नेहक के रूप में किया जाता है।</li> <li>➤ इसका उपयोग लेखन और ड्राइंग के लिए पेंसिल के निर्माण में भी किया जाता है।</li> <li>➤ इस्पात उद्योग में, ग्रेफाइट का उपयोग भट्टियों में और क्रूसिबल के उत्पादन के लिए एक दुर्दम्य सामग्री के रूप में किया जाता है।</li> </ul> <p><b>बैटरी घटक:</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>➤ इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) और नवीकरणीय ऊर्जा के संदर्भ में, ग्रेफाइट लिथियम-आयन बैटरी के एनोड में प्राथमिक घटक के रूप में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।</li> <li>➤ यह इन बैटरियों में विद्युत ऊर्जा को संग्रहीत और जारी करता है।</li> </ul>
<p><b>लघु हिमयुग</b></p> 	<p>एक हालिया अध्ययन से भारत के पश्चिमी घाट में लघु हिमयुग (लिटिल आइस एज-LIA) के दौरान आर्द्र स्थितियों के ऐतिहासिक रिकॉर्ड का पता चलता है।</p> <p><b>लघु हिमयुग के बारे में (LIA):</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>➤ लघु हिमयुग पिछले 10,000 वर्षों में सबसे ठंडी अवधियों में से एक था।</li> <li>➤ यह मुख्य रूप से 16वीं और 19वीं शताब्दी के बीच घटित हुआ और विशेष रूप से उत्तरी अटलांटिक क्षेत्र की विशेषता थी।</li> </ul> <p><b>यूरोप पर प्रभाव:</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>➤ छोटे हिमयुग का यूरोप पर गहरा प्रभाव पड़ा, जिससे फसलें बर्बाद हो गईं, अकाल और महामारी फैल गईं।</li> <li>➤ अत्यधिक ठंड की इस अवधि के परिणामस्वरूप यूरोप में लाखों लोगों को व्यापक कष्ट का सामना करना पड़ा और बहुत से लोगों की मृत्यु हो गई।</li> </ul> <p><b>लघु हिमयुग के कारण:</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>➤ लिटिल आइस एज को कई कारकों के संयोजन के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है, जिसमें ज्वालामुखी एयरोसोल और कम सौर गतिविधि शामिल है, जिसके कारण सामूहिक रूप से सतह का तापमान कम हुआ।</li> </ul>
<p><b>चक्रवाती तूफान 'तेज'</b></p> 	<p>हाल ही में, दक्षिण-पूर्व और दक्षिण-पश्चिम अरब सागर में एक कम दबाव का क्षेत्र बना जो अवसाद (Depression) के रूप में बदल गया है।</p> <p><b>चक्रवाती तूफान 'तेज' के बारे में:</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>➤ दक्षिण-पूर्व और दक्षिण-पश्चिम अरब सागर में एक कम दबाव का क्षेत्र एक डिप्रेशन में बदल गया है।</li> <li>➤ भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) का अनुमान है कि यह एक चक्रवाती तूफान में बदल जाएगा।</li> <li>➤ हिंद महासागर क्षेत्र में चक्रवातों के नामकरण के फार्मूले के अनुसार चक्रवाती तूफान का नाम 'तेज' रखा जाएगा।</li> <li>➤ भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के अनुसार, आगामी कुछ दिनों में चक्रवाती तूफान के और तीव्र होकर भीषण चक्रवाती तूफान में बदलने की आशंका है।</li> </ul>
<p><b>फास्ट रेडियो बर्स्ट (एफआरबी)</b></p> 	<p>हाल ही में खगोलविदों ने 8 अरब साल पुराने फास्ट रेडियो बर्स्ट (एफआरबी) का पता लगाया है, जो आकाशगंगा के सुदूर हिस्से से निकल रहा है।</p> <p><b>फास्ट रेडियो बर्स्ट क्या है?</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>➤ फास्ट रेडियो बर्स्ट (एफआरबी) एक संक्षिप्त और बेहद ऊर्जावान खगोलीय घटना है, जिसमें तीव्र रेडियो तरंग विस्फोट होते हैं जो एक सेकंड के कुछ अंश तक रहते हैं।</li> </ul> <p><b>विशेषताएँ:</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>➤ फास्ट रेडियो बर्स्ट (एफआरबी) रेडियो तरंगों का अत्यंत संक्षिप्त और तीव्र विस्फोट है और वे केवल एक सेकंड के एक अंश तक रहता है।</li> <li>➤ एफएसटी रेडियो विस्फोटों का अध्ययन सुदूर ब्रह्मांड और उसकी संरचना के बारे में समझ प्रदान करता है।</li> </ul> <p><b>प्रायोगिकी - 'स्क्वायर किलोमीटर ऐरे' (SKA) :</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>➤ प्रस्तावित रेडियो टेलीस्कोप स्क्वायर किलोमीटर ऐरे (एसकेए) ने फास्ट रेडियो बर्स्ट का पता लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।</li> <li>➤ यह एक विशाल अंतर्राष्ट्रीय परियोजना है, जिसका लक्ष्य दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे संवेदनशील रेडियो दूरबीनों में से एक का निर्माण करना है।</li> </ul> <p><b>महत्व:</b> फास्ट रेडियो बर्स्ट (एफआरबी) खगोलीय "बीकन" के रूप में काम कर सकते हैं, जो वैज्ञानिकों को सितारों और ग्रहों जैसे दूर के खगोलीय पिंडों की संरचना का अध्ययन करने में सक्षम बनाता है।</p>

## Face to Face Centres





21 October, 2023

## समाचारों में स्थान

### मलेशिया

हाल ही में, मलेशिया ने भारत के स्कूलों, विश्वविद्यालयों, महिला समूहों, पेशेवरों और परिवारों सहित विभिन्न लक्षित समूहों के लिए मलेशिया में **रुस्टिक होमस्टे** को बढ़ावा देने की योजना शुरू की है।

- **मलेशिया (राजधानी: कुआलालंपुर)**
- **भौगोलिक स्थिति:** मलेशिया दक्षिण पूर्व एशिया में स्थित है और दो क्षेत्रों में विभाजित है: बोर्नियो द्वीप पर प्रायद्वीपीय मलेशिया और पूर्वी मलेशिया।
- **राजनीतिक सीमाएँ:** मलेशिया थाईलैंड, सिंगापुर, वियतनाम, इंडोनेशिया और ब्रुनेई के साथ भूमि और समुद्री सीमाएँ साझा करता है।
- **अंतर्राष्ट्रीय संगठन:** मलेशिया विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संगठनों का सदस्य है।



## POINTS TO PONDER

- ❖ तुलु भाषा और संस्कृति को शाही संरक्षण देने वाला पहला शासक कौन था? - **कुलशेखर अलुपेद्र प्रथम**
- ❖ कौन सा अनुच्छेद सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों को न्यायालय की अवमानना के लिए दंडित करने की शक्ति प्रदान करता है? - **अनुच्छेद 129 और 215**
- ❖ किस अनुच्छेद के तहत न्यायालय की अवमानना को भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर "उचित प्रतिबंधों" में से एक के रूप में सूचीबद्ध किया गया है? - **अनुच्छेद 19(2)**
- ❖ उत्तर प्रदेश का कौन सा जिला सदियों पुरानी समृद्ध विरासत के साथ अपने पारंपरिक इत्र उत्पादन के लिए जाना जाता है? - **कन्नौज**
- ❖ ऑस्ट्रेलिया की सबसे लंबी नदी कौन सी है? - **मॉरी नदी (Murray River)**

## Face to Face Centres

